

हिन्दी के विशेषज्ञों की समिति

*९४५. **सेठ गोविन्द दास :** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या रेलवे में प्रयोग किये जाने वाले अंग्रेजी पारिभाषिक शब्दों के हिन्दी पर्यायवाची शब्द निश्चित करने के लिये कोई विशेषज्ञ समिति नियुक्त की गई है ?

The Deputy Minister of Railways and Transport (Shri Alagesan): A Committee was appointed early in 1952 who have examined quite a good number of terms which have been sent to the Ministry of Education for final approval.

सेठ गोविन्द दास : १९५२ में जो यह कमेटी बनाई गई थी, उस ने क्या यह काम समाप्त कर लिया है और अब इस तरह की कमेटी की कोई आवश्यकता नहीं है ?

Shri Alagesan: This Committee has finalised Railway terms beginning with letters A, B and C and they have been sent to the Ministry of Education where they are being vetted by another Board of scientific terminology.

सेठ गोविन्द दास : उसके बाद के अक्षरों का जहाँ तक सम्बन्ध है, उसके विषय में क्या हो रहा है, क्या और कोई कमेटी बनायी जा रही है या वही कमेटी अभी आगे का भी काम करने वाली है ?

रेलवे तथा परिवहन मंत्री (श्री एल० बी० शास्त्री) : यह कमेटी अभी और कोई नई बनाने का विचार नहीं है, लेकिन जो हमारा हिन्दी सेक्शन है, वह कुछ शब्दावलि बना रहा है और उस को हमने स्थायी तौर पर इस्तेमाल करने का आदेश भी दे दिया है ।

Shri Veeraswamy: May I know whether it is not a fact that the expert committee find it very difficult to fix appropriate and proper Hindi equivalents for English technical terms?

Shri L. B. Shastri: That is not correct. They have already drawn up a list of names and that list has been submitted to the Education Ministry for approval.

Shri T. S. A. Uetttiar: Has the Government accepted the principle that has been accepted generally that international terms will be adopted for these purposes?

Shri L. B. Shastri: I am sorry I cannot say anything on that. It is perhaps for the Education Ministry along with others concerned to discuss it and decide.

सेठ गोविन्द दास : जहाँ तक अन्तर्राष्ट्रीय शब्दावलि का सम्बन्ध है, क्या माननीय मंत्री जी यह जानते हैं कि अन्तर्राष्ट्रीय शब्दावलि जैसी कोई चीज नहीं है और जो शब्दावलि बाकी है वह कब तक बन जाने की सम्भावना है ?

Mr. Speaker: I think we are entering into an argument over the question. We will go to the next question now.

सेठ गोविन्द दास : मैं एक बात जानना भी चाहता था कि बाकी शब्दावलि कब तक तैयार हो जायगी ?

Mr. Speaker: This is raising a discussion over a question put by an hon. Member in this House. In fact, language will depend upon what the people will adopt.

सेठ गोविन्द दास : मैं ने यह भी पूछा था कि बाकी शब्दावलि कब तक बन जायगी, उन्होंने कहा था कि बाकी शब्दावलि तैयार हो जायगी ?

Mr. Speaker: We will go to the next question.